माता की नई भेटे

सदाबहार गायक नरेन्द्र चंचल द्वारा प्रस्तुत

माता की नई भेटें

जग जननी माँ जोतां वाली सबके मन की मुरादें पूरी करती है। उसकी माया अपरम्पार है, उसके नाम की सच्ची जोत हर दिल में जगी है, बस उसके दर पर जाकर सच्चे दरबार में उस माँ से जो बचड़ा मांगना चाहे वह उसकी रहमत जरूर पाता है। नरेन्द्र चंचल की तरह माँ सब भक्तों पर माँ के गुणगान की कृपा करें।

संग्रह कर्त्ता :
विवेक कुमार

प्रकाशक :
यमुना पुस्तक-भण्डार
आर्य समाज रोड, मथुरा - 281001

फोन : 406714

मूल्य : 10 रुपये

विषय सूची

माता की नई भेटें

गणपति राखो मेरी लाज

गणपति राखो मेरी लाज
गणपति राखो मेरी लाज
पूरन कीजो मेरे काज-२
सदा रहे खुशहाल गणपति,
लाल जो प्रथमे तुम्हें ध्याये।
ऋद्धि सिद्धि के दाता भाग्य विधाता,
वो तुझसे सब कुछ पाए।
विनती सुन लो मेरी आज,
गणपति राखो मेरी लाज
पूरन कीजो.....
मूर्ख को दे ज्ञान सभा में मान,
निर्बल भी बलशाली।
गौरी के सुत प्यारे जगत से न्यारें,
है तेरी शान निराली।
तीनों लोक में तुम्हारा राज-२
गणपति राखो मेरी लाज
पूरन कीजो...
जिसके सिर पे हाथ हो तेरा नाथ,
उसको फिर कैसा डर है-२

जप जो तेरा नाम सुबह और शाम,

तो उसका नाम अमर है-२
सब देवों के तुम सरताज
गणपति राखो मेरी लाज

पूरन कीजो...

माँ मुरादें पूरी कर दे

माँ मुरादें पूरी कर दे हलुआ बांटूंगी-२
जोत जगाके सर को झुका के-२
मैं मनाऊंगी दर पे आऊंगी, आऊंगी, आ...ऊं ...गी
संतों महंतों को बुलाके घर में कराऊं जगराता-२
सुनती है सबकी फरियादें मेरी भी सुन लेगी माता-२
झोली भरेगी संकट हरेगी-२
मैं गाऊंगी, दर पे आऊंगी, मैं गाऊंगी, आ-ऊं-गी

माँ मुरादें पूरी...

विनती सुनो शेरां वाली माँ खड़ी मैं बनके सवाली
झोली भरो मेरी रानी माँ गोद है लाल से खाली
कृपा करो गोदी भरो-२
मैं दर पे आऊंगी, मैं मनाऊंगी, दर पे आऊंगी, आ-ऊं-गी

माँ मुरादें पूरी.....

भवन तेरा है सबसे ऊँचा माँ और गुफा तेरी न्यारी
भाग्य विधाता जोतां वाली माँ कहती है दुनिया सारी
गाती तुम्हारा लेके सहारे-२
मैं दर पे आऊंगी; मैं मनाऊंगी, आऊंगी, आ-ऊं-गी

माँ मुरादें पूरी...

कृपा करो वरदानी माँ छाया है गम का अंधेरा
तेरे सिवा मेरा कोई न मुझको भरोसा है तेरा
भाग्य जगा दे बिगड़ी बना दे-२
मैं दर पे आऊंगी, मैं मनाऊंगी, आऊंगी, आ-ऊं-गी
माँ मुरादें पूरी...

तेरा दर्शन करने आऊँ

तेरा दर्शन करने आऊँ लोग कहें 'जय माता की'-२
तेरा दर्शन करके जाऊँ लोग कहें 'जय माता की'-२
ऊंची लम्बी तेरी चढ़ाई पहले बहुत डराती है
सबको देने वाली सहारा बांह पकड़ ले जाती है
जब भी कदम मैं आगे बढ़ाऊँ लोग कहें 'जय माता की'
सबसे प्यारे सबसे न्यारे बाबा भोले भाले हैं
भांग धतूरे की मस्ती में रहते मस्त निराले हैं
बम-बम भोले कहते जाओ जो सब आए जाए...
बोलो ओ३म् नमः शिवायं...
आधा चन्दा माथे सोहे गल सर्पों की माला
तेज धारी के तेज से पाए सूरज से उजियाला
डम-डम डमरू बोले शिव का सातों सुर दोहराए-२
बोलो ओ३म् नमः शिवाय...
विपदा आई राम पे भारी शिव शक्ति का जप किया
बजरंगी की शक्ति बनके राम का शिव ने साथ दिया
रामेश्वर की पूजा करते राम यही फरमाए-२
बोलो ओ३म् नमः शिवाय...

जान अभी बाकी है

भक्ति मिली, शक्ति मिली, जीवन मिला, शौकत मिली
शौहरत मिली, इज्जत मिली, इशरत मिली, दौलत मिली।
पर मेरा कासा तेरी दीद से खाली रहा
यूं तो तेरे दर से मुझे हर रहमत मिली-२
एक तेरी दीद का अरमान अभी बाकी है
जान अभी बाकी है, प्राण अभी बाकी है
सुना है नाम तेरा 'जय हो'
रचा है आम तेरा 'जय हो'
तू उसे प्यार करे 'जय हो'
उसे जो प्यार करे 'जय हो'
देखी तस्वीर तेरी 'जय हो'
बनी तकदीर मेरी 'जय हो'
दूर नहीं पास है तू 'जय हो'
मेरा विश्वास है तू 'जय हो'

तेरा दर्शन करने...

कर्मों वाले ही दाती पौडी तेरी चढ़ पाते हैं
फर्क से लटकी है ये सीढ़ी देवता आते जाते हैं
आता-जाता शीश झुकाऊँ लोग कहें 'जय माता की'

तेरा दर्शन करने...

माँ के जयकारे में ही सब वेदों का सार है
शक्ति के जयकारे में ही शक्ति माँ की अपार है
जब तेरा जयकारा बुलाऊँ लोग कहें 'जय माता की'

तेरा दर्शन करने...

जो भी माँ का ध्यान लगाए माँ के ध्यान में आता है
जो गुण भोली माँ के गाए वो गुणवान हो जाता है
जब-जब तेरी भेंटे गाऊँ लोग कहें 'जय माता की'
तेरा दर्शन करने...

जगमग ज्योति लागे जैसे मैया पास बुलाती है
तन पड़े उजाला लगे ज्वाला गले लगाती है
जब भी तेरी जोत जगाऊँ लोग कहें 'जय माता की'
तेरा दर्शन करने...

फलों जैसे फूलां रानी बच्चों को संभाल रही
पग-२ पे माँ शेरां वाली विपदा सबकी टाल रही
अतुल मैया के दर्शन पाऊँ लोग कहें 'जय माता की'
तेरा दर्शन करने...

और सहारे दुनिया के

और सहारे दुनिया के मेरा सहारा तू ही तू-२
तू ही तू माँ तू ही तू, तू ही तू माँ तू ही तू
गमों से दूर हूं दुनिया का मैं ठुकराया हूं
मेरी अम्बे तेरे चरणों में आज आया हूं
और कुछ पास नहीं है जो तुझे अर्पन कर दूं
एक फरियाद है जो भेंट तेरी लाया हूं
तेरे दिल कोल मेरा किसको बुलाऊँ माता
हाल ऐं दिल अपना किसको सुनाऊँ माता
मैं तेरी लगन में हूं मगन, मेरी जगदम्बे
एक यही बात जो दिन रात मैं गाऊँ माता
और सहारे...

एक शहंशाह ने शक्ति को मां को आजमाया
तवे चढ़वा दिए जोतों पे खौफ न आया
कटाया घोड़े का सर ध्यानुं कैद करवाया
पुकारा ध्यानुँ ने आओ मेरी महामाया
चढ़ाया काट सिर अपना जरा न देर करी
भी प्रकट हुई मैया भक्त की पीड़ा हरी
तवों को फाड़ के जोतों को था माँ ने जगाया
बचाई लाज माँ ने बेटे ने यही गाया
और सहारे..

अंधेरी रात थी तूफान घिर के आया था
थी किस्ती डोल उठी लहरों ने जुल्म ढाया था
सहारा कोई न था बनिया घबराया था
'शरण दो अष्टभुजी' कहके वो चिल्लाया था
वो बोला जगततारनी मुझे भी तारो माँ
भंवर में आन फंसा हूं मुझे उबारो माँ
पकड़ के बांह माँ ने बेटे को बचाया था
खुशी में झूमके ये बनिया भी गाया था
और सहारे...

थी लज्जो, धर्मो भवानी के नाम की जोगन
वो जपती नाम थी माता का हर घड़ी, पल चिन्ह
की औरंगजेब ने उनकी परीक्षा ले डाली
अकड़ के बोला कहां है तेरी शेरां वाली
उगा आम के फल नीम के दरखतों पर
नहीं तो काट के रख दूंगा तुम दोनों के सर
सुनी फरियाद माँ ने आम भी लगाए थे

झुका के चरणों में सर भक्त वही गाए थे
और सहारे...

लाहौर शहर में एक फूलाँ रानी रहती थी
माँ की भक्ति में लीन वो दिवानी रहती थी
एक दिन जगन रचाया था किसी भक्त ने घर
पति से बोली साथ ले चलो जगराते पर
ससुर ने डाँट के कमरे में बन्द उसको किया
चला जगराते पे बेटे को उसने साथ लिया
बाप ने देखा फूलां जागरण में बैठी थी
भवानी माँ से वो ये बार-बार कहती थी
और सहारे...

माइए दीवाने दर्शन दे

माइए दीवाने दर्शन दे, माइए दीवाने दर्शन दे
तेरे दर तो मुरादां पांदे ते नचदे गांदे
दीवाने दर्शन दे...

माइए सवाली आए ने
तू मार नेरों वाली, न मुड़े खाली
दीवाने...

माइए सच्चा दरबार तेरा
तेरा दर मुक्ति दा द्वारा के लगदा प्यार
दीवाने...

माइए नी तेरा केड़ा मुल लगदा
जे नजर मेहर दी कर दे, झोलियां भर दे
दीवाने...

माइए तेरा की जाएगा
जे बच्चे पान मुरादां सुनो फरियादां
दीवाने...
माइए तू डुबते तारनी है
भँवरा चो मैंनु तारो के पार उतारो
दीवाने...
माइए उडीकां लाइयां ने
कद मिलेगा दर्शन तेरा पायेंगीं फेरा
दीवाने...

नइयो छड़ना दवारा तेरा

नइयों छड़ना दवारा तेरा ओ नइयों छड़ना दवारा तेरा
नइयों छंड़ना दवारा तेरा सुन लै पुकार लूं माँ शेरा वाली
सारी दुनिया विच चानन तेरा
सच्चा तेरा द्वार दरबार मां शेरां वालिये
नइयों छड़ना...
करो आसां ते मुरादां माई पूरियां
दस्सो कादियां ने दाती मजबूरियां
कदे बच्चयां दा ख्याल न आया
अजे तक होया न दीदार शेरां वालिये
नइयों छड़ना...
कदे शेवां दाती कदे कुरलावां
कैंदे मावां ने ठंडियां छावां
दर डिगियां नूं न ठुकराना

करो उपकार माँ शेराँ वालिए
नइयों छड़ना...

तेरे चखी लगा मैं महामाया
सानूं मिल जाए आंचल दी छाया
देदे ममता दी दीद भवानी
सच्ची सरकार कर पार शेरां वालिए
नइयों छड़ना...

किते वैष्णों मां दुर्गा तू काली
चिन्तपूर्णी ते कांगड़े वाली
घर-२ विच माता है समायी
जोत एक रूप ने हज़ार शेरां वालिए
नइयों छड़ना...

माइया जी मेरा जी करदा

मइया जी मेरा जी करदा
तेरे दर दी खाक हो जावां
मैं चरनी लगके पाक हो जावां
मइया जी मेरा...

मैं लख्खाँ जन्म गवावे
मइया जी तेरे दर्शन नूं
मैं मुड़-मुड़ जग दि[illegible] आवाँ
द[illegible] जी तेरे दरशन नूं

मेरे नैन दी प्यास बुझा दे

भवानी मैनूं खैंर दीद दी पाये
मइया जी मेरा...
तेरी फुलवारी विच, मैया जी
फुल बन महकां मैं
तेरे गुन गावां हर वेले
पंछी बन चहकां मैं
बना बद्दल द्वारे बस जावां
मैं मल-मल धोवां तेरियां राहवां
मइया जी मेरा...
तेरी महर होवे महारानी
किरन बन बन जावां मैं
तेरे चरन हुन कल्याणी
मन्दर तेरे आवां मैं
मेरी ऐहो विनती है दाती
मैं बनके जोत जगां दिन राती
मइया जी मेरा...
मैंनूं अब सागर विचों तार
पार कर बेड़ा मेरी
तू कर मेरा उद्धार
शरण आया मैं तेरी
रवे जोश मां तेरा भिखारी
दाती जी चरन कमल दा पुजारी
मइया जी मेरा...

मैं आया, मैं आया शेराँ वालिए

तूने मुझे बुलाया शेराँ वालिए
मैं आया, मैं आया शेराँ वालिए
तूने मुझे बबुलाया
सारा जग है इक बनजारा
सबकी मंजिल तेरा द्वारा
ऊंचे परबत लम्बा रास्ता
पर मैं न रह पाया शेराँ वालिए
मैं आया, मैं आया शेराँ वालिए
तूने मुझे बुलाया....

तेरे पथ में मिल गए साथी
सूने पथ में जल गयी बाती
मुंह खोलूं क्या तुझसे मांगूं
बिन मांगे सब पाया शेराँ वालिए
मैं आया, मैं आया शेराँ वालिए
तूने मुझे बुलाया....

कौन है राजा कौन भिखारी
एक बराबर सारे पुजारी
तूने सबको दर्शन देके
अपने गले लगाया शेराँ वालिए
मैं आया, मैं आया शेराँ वालिए
तूने मुझे बुलाया....

चलो बुलावा आया है

चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है
ऊंचे परबत रानी मां ने दरबार लगाया है
सारे जग का एक ठिकाना
सारे गम के मारों का
रस्ता देख रही है माता
अपनी आंख के तारों का
मस्त हवाओं का झोंका यह सन्देश लाया है
ऊंचे परबत रानी मां ने दरबार लगाया है
चलो बुलावा आया है....

जय माता की करते जाओ
आने जाने वालों को
चलते जायो यों मत देखो
अपने पांव के छालों को
जिसने जितना दर्द सहा है, उतना चैन भी पाया है
ऊंचे परबत रानी मां ने दरबार लगाया है
चलो बुलावा आया है....

वैष्णों देवी के मंदिर में
लोग मुरादें पाते हैं
रोते-रोते आते हैं और
हंसते-हंसते जाते हैं
मैं भी मांग के देखूं जिसने जो माँगा सो पाया है
ऊंचे परबत रानी मां ने दरबार लगाया है
चलो बुलावा आया है....

मैं भी तो इक मां हूं माता
मां ही मां को पहचाने
बेटे का दुख क्या होता है
और कोई क्या जाने
उसका खून मैं देखूं कैसे, जिसको दूध पिलाया है
ऊंचे परबत रानी मां ने दरबार लगाया है।
चलो बुलावा आया है....

मैया जी असी नौकर तेरे

मैयाजी असी नौकर तेरे,
हां हां मैयाजी असी नौकर तेरे।
हो सेवा तेरी' च खड़ा रहा मैं शाम सबेरे
मैयाज़ी असी नौकर तेरे
दोवें हत्थ बन्न तेरे पैरां' च खलो रहवां
दुनिया न छड्डु मैया तेरा ही मैं हो रहवां
जद दी नौकरी कीती तेरी
शेरां वाली ऐ...जद दी नौंकरी कीती तेरी
भाग जाग पये मेरे-
मैयाजी असी...

भवन दे बेड़े तेरे देवां मैं बुहारियां
पल्कां नाल चुम्मा पौड़िया प्यारिया
सेवक नू सेवा बख्शी मैं पावा फेरे
मैयाजी असी....

इक पल वी न परे तेरे कोलों होवां मैं
दाती प्रभाती तेरे चरणा नूं धोवा मैं

तेरह तरहां श्रृंगार करा मैं तेरी जै जैकार
शेरां वालिए...तेरी जै जै कार
लै फुल्लां दे सेहरे-

मैयाजी असी....

हर वेले हर था ते गुण तेरे गावा मैं
सेवा दी मजूरी बस तेथों ऐहो चाहवां मैं
'जोश' ते किरपा करो मैयाजी
'जोश' ते किरपा करो वसो जी हृदय मेरे

मैयाजी असी....

जागो माँ जागो

जागो हे जगदम्बे जागो हे ज्वाला
जागो हे दुर्गा माँ जागो प्रतिपाला
भक्त जनो तेरे दर पे डेरा डाला

जागो माँ जागो...

जागो तुम्हारे भक्त तुमको जगायें
आओ मां लाल तुम्हें रो-रो बुलायें
ज्वाला है नाम तेरा तेज है निराला

जागो मां जागो...

नाम तेरे के हैं दीवाने

नाच रहे हैं शाम सवेरे

वो ही खेलें खेल भवानी जो तू हमें खिलाये

मइया जी तेरी...

धरती, अम्बर, पर्वत, सागर

तेरे नाम से हुए उजागर

पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण
शीश झुकायें दर पर आकर
सूरज, चाँद सितारे कितने कुछ भी गिना न जाए
मइया जी तेरा...

तू जगदम्बे तू है काली
भक्तजनों की तू रखवाली
तेरे नाम की महिमा गाए
पत्ता-पत्ता डाली-डाली
कहीं ते धूप कहीं ये छाया क्या-२ रंग दिखाये
मइया जी तेरा...

जागो दिलों के अन्धकार को मिटा दो
भटके हुओं को मैया रोशनी दिखा दो
अपनी ही ज्योति का कर दो उजाला
जागो माँ जागो...

सारा जमाना हुआ जोत का दीवाना
मैया हम चरणों में मांगे ठिकाना
जिस पर तेरी नजर मैया उसका बोल बाला
जागो मां जागो...

शेर पे सवारी मां अष्ट भुजा वाली
दुष्टों की काल मैया भक्तों की रखवाली
नयनों में तेज तेरे गले मुंड माला
जागो मां जागो...

मईया जी तेरी माया अपरम्पार

मईया जी तेरी माया अपरम्पार
मैया जी तेरी माया समझ न आये-२
सागर की गहराई का जैसा कोई अर्थ न पाए-२
हम हैं सभी खिलौने तेरे
मैया लाल खिलौने तेरे
निर्बल को बलवान करे मां
निर्धन को धनवान करे माँ
सबकी इच्छा पूरण करती
जो भी तेरा ध्यान धरे माँ
दोष्टेय मर्ख और ज्ञानी तूने सभी बनाए
मइया जी तेरी...

सिर पे मुकुट

हे सर मुकुट ले, मुकुट हाथ में खंडा, शेर की करे सवारी
हे जय जय जय जगदम्बे मैया बोले दुनिया सारी
अब तो दर्श दिखा
जय जय जय मां काली
मन की प्यास बुझा
ओ माँ जोतां वाली
अब तो दर्श दिखा
ध्यानू भगत तुमरा यश गाया
जित ध्याया माँ का फल पाया

तू ही शक्ति है तू ही भक्ति है तू है जग से न्यारी
अब तो दर्श दिखा...

जब जब तेरी जोत जगी है
भक्त जनों की भीड़ लगी है
हे बच्चे भी हैं बूढ़े भी हैं कंजकें भी आई हैं सारी
अब तो दर्श दिखा...

दर तेरे का जो है सवाली
झोली उसकी रहे न खाली
है मन की मुरादें पूरी करती मां भक्तों की प्यारी
अब तो दर्श दिखा...

अपना सब कुछ कर दूं अर्पन
एक बार तू दे दे दर्शन
हे कब से तेरे दर पे पड़ा हूं बनके मैं भिखारी
अब तो दर्श दिखा...

जय जय जगदम्बे जय जगदम्बे

जय जय अम्बे जय जगदम्बे-३
सच्चे मन से जाप करे तो

वो जन मुक्ति पाता है
जन्म-जन्म के बन्धन छूटें
भव सागर तर जाता है
जय जय अम्बे...

ऊँचे ऊँचे पर्वत वाली तेरी शेर सवारी है।
भक्तों का मन मोहे अम्बे

ऐसी छवि न्यारी है।
तू जग की रानी है दाती
यह संसार भिखारी है
भक्त है तुम्हें प्यारे मैया
तू भक्तों की प्यारी है
कितना सुन्दर कितना पावन
माँ बेटों का नाता है
जन्म जन्म के बन्धन छूटें
भव सागर तर जाता है
जय जय अम्बे...
जो भी दर पे शीश झुकाये
उसके दुख संताप हरे
बन आये दीन सवाली
बन उसके पाप हरे
करूणा की मूरत वरदानी
सबके दुखड़े दूर करे
अन्नपूर्ण बनके माता
भक्तों के भंडार भरे
वृद्धि सिद्धि देने वाली
सबकी भाग्य विधाता
जन्म जन्म के बन्धन छूटें
भव सागर तर जाता है
जय जय अम्बे...
मुझको दो वरदान मैं
हर पल तेरा ध्यान लगाऊँ माँ

तेरे रंग में रंगा रहूं मैं
तेरी महिमा गाऊं मां
तुझको अपने सामने पाऊं
जब भी तेरा ध्यान लगाऊं
तेरी लगन में मगन रहूं मैं
तुझ में ही खो जाऊं मां
जो तेरे गुन गाता मैया
जग उसके गुन गाता है
जन्म जन्म बन्धन छूटें
भव सागर तर जाता है
जय जय अम्बे...

सच्ची है तू सच्चा है दरबार तेरा

सच्ची है तू सच्चा तेरा दरबार माता रानिये
कर दे दया की एक नजर एक बार माता रानिये
क्या गम है कैसी उलझन जब सर पे तेरा हाथ है
हर दुख में हर संकट में माता तू हमारे साथ है
तू प्यारी मां और जग तेरा परिवार माता रानिये
सच्ची है तू...

एक दो नहीं, लाखों यहां आए बनाकर टोलियां
अपनी ज़ुबान खोले बिना भर कर गए हैं झोलियां
हर सुख मिलता है करके तेरा दीदार माता रानिए
सच्ची है तू...

तेरी दया की बूंद भी ममता की एक सागर बने

पत्थर कई हीरे ऐ मां दर को तेरे छकर बने
जन जन ये है तेरा बड़ा उपकार माता रानिए
सच्ची है तू
प्रेम की ज्योति जला हर दिल से नफरत को मिटा
रोते हुए बिछड़े हुए भाई से भाई को मिला
युग युग तेरी पूजा करे संसार माता रानिए
सच्ची है तू...

मैया जी मैं हूं दीवाना तेरा

सोना चांदी हीरे मोती न चाहे मन मेरा
न मैं चाहूं महल रंगीले न कोई रैन बसेरा
ओ मैया मैं हूँ दीवाना तेरा-३
सूरज चंदा से ये तेरे दोनों नयन
दाती जग में करते उजाला
नीले अम्बर सी ते तेरी चुनरी मैया
देखी तो मन हुआ मतवाला
दिल है सागर से भी गहरा
चेहरा नया सवेरा
मैं हूं दीवाना तेरा...
तेरे चरणों को देखा तो
पाँव मेरे तेरी राहों में चलने लगे
तेरे हाथों को देखा तो हाथ
तेरी सेवा को चलने लगे हैं।
अब तो तेरे दर पे ही मां लागा

अपना डेरा
मैया मैं हूं दीवाना तेरा
चूड़ियों की झंकार ये तेरी शारदा रानी
सातों सुर कुरबान मेरी अम्बे
तेरी माया है महा माया कैसे जानू
मैं तो हूं मूर्ख नांदान मेरी अम्बे
तू मिल जाए तो छुट जाए
जन्म-जन्म का फेरा
मैया मैं हूं दीवाना तेरा...
तेरे नाम की मस्ती में मैं मस्त रहूं
तेरे रंग में रंग जाऊं मैया
तेरे लगन में मगन रहे
ये जीवन मेरा
और न कुछ मैं चाहूं मैया
मेरी सासें मेरी धड़कन
मेरा सब कुछ तेरा
मैया मैं हूं दीवाना तेरा...

जंगल के राजा

ओ जंगल के राजा मेरी मैया को लेके आजा
मैंने आस की जोत जगाई
मेरे नयनों में मां शमाई
मेरे सपने सच तू बनाजा
मेरी मैया को लेके आजा

ओ जंगल के राजा...

हर पल मां के संग विराजो धन्य तुम्हारी भक्ति है
शक्ति का तुम बोझ उठाते गजब तुम्हारी शक्ति है
तेरे सुन्दर नयन कटीले ओ रंग के पीले-पीले
मेरी माँ को मुझसे मिलाजा
ओ जंगल के...

पवन रूपी मां के प्यारे चाल पवन की आ जाओ
देवों की आँखों के तारे आओ कर्म कमा जाओ
आ गहनों से तुम्हें सजाऊं पांवों में घुंघरु पहनाऊं
मैं बजाऊं ढोल और बाजा
ओ जंगल के...

पाके सम्मुख भोली माँ को दिल की बातें कर लूं मैं
प्यास बुझा लूं जन्मों की और खाली झोली भर लूं मैं
मां के चरणों की धूल लगा लूं
मैं सोया नसीब जगा लूं
मेरे दुख सन्तान मिटा जा
ओ जंगल के...

मां कहेगी बेटा मुझको मैं माँ कहके बुलाऊँगा
ममता रूपी वरदानी से वर मुक्ति का पाऊंगा
सारी दुनियां से जो न्यारी छवि सुन्दर अटल प्यारी
उस मां का दर्श दिखा जा
ओ जंगल के...

माता वैष्णों के दरबार में दोनों समय होने वाली आरती

हे मात मेरी...हे मात मेरी
कैसे ये देर लगाई है दुर्गे, हे मात मेरी हे मात मेरी।
भवसागर में गिरा पड़ा हूं, काम आदि गुह में घिरा पड़ा हूं
मोह आदि जाल में जकड़ा हूं
हे मात मेरी, हे मात मेरी...
न मुझमें बल है न मुझमें विद्या
न मुझमें भक्ति न मुझमें शक्ति
शरण तुम्हारी गिरा पड़ा हूं॥ हे मात मेरी॥ २॥
न कोई मेरा कुटुम्बी साथी, ना ही मेरा शरीर साथी
चरण कमल की नौका बनाकर,
मैं पार हूंगा खुशी मनाकर
यमदूतों को मार भगाकर॥ हे मात मेरी॥ २॥
सदा ही तेरे गुणों को गाऊं, सदा ही तेरे स्वरूप को ध्याऊं
नित्य प्रति तेरे गुणों को गाऊं॥ हे मात मेरी॥ २॥
न मैं किसी का न कोई मेरा, छाया है चारों तरफ अंधेरा
पकड़ के ज्योति दिखा दो रस्ता हे मात मेरी॥
शरण में पड़े हैं हम तुम्हारी, करो ये नैया पार हमारी
कैसे ये देर लगाई है दुर्गे हे मात मेरी...

बड़ी लीला सुनी तेरे भवनों की

बड़ी लीला सुनी तेरे भवनों की
बड़ी शोभा सुनी तेरे भवनों की-2
यहाँ होती है बारिश रहमत की
यहाँ कोई कमी न रत्नों की
बड़ी लीला सुनी है तेरे भवनों की-2
बड़ी शोभा सुनी तेरे भवनों की
यहाँ होती है बारिश रहमत की
यहाँ कोई कमी न रत्नों की

बड़ी लीला सुनी...

आया दर पे एक सवाली
जन्म से था वो अन्धयारा,
उसका हाल बड़ा था मन्दा।
हाल बड़ा था मन्दा भगतों हाल बड़ा...
मजबूरी लाचारी में वो पग-पग ठोकर खाता
हर दम कोसे किस्मत अपनी रोता नीर बहाता
रोता नीर बहाता भगतों रोता नीर बहाता
जगदाती जग जननी माँ से तड़प-तड़प के बोला
कैसे मानूं तूने सचमुच द्वार दया का खोला
मईया द्वार दया का खोला...
भगतों द्वार दया...
मैं न माँगू सोना-चाँदी न हीरे न मोती
तू है नैना देवी माँ दे नैनों की ज्योति

बड़ी लीला सुनी...

आ गई एक अभागन नारी दुःखड़ा अपना कहने
तेरे भगतों को माँ कितने दुःख हैं पड़ते सहने
दुःख पड़े हैं सहने भगतों दुःख...
बरसों बीते विनती करते हर पल माँ को दुखड़ा
लेकिन किस्मत से माँ अपना खत्म हुआ न झगड़ा-2
भक्तों खत्म हुआ न झगड़ा-2
दिया जलाना अपने घर में है माँ शेरांवाली
माँ बनने को तरस रही हूँ गोद है मेरी खाली
माता गोद है मेरी खाली भगतों गोद...
मईया तूने कई माँओं को बक्शे आंख के तारे
दया करो कि मुझे भी कोई कहके माँ पुकारे
बड़ी लीला सुनी तेरे भवनों की-2
बोला एक व्यापारी रोके दया करो महारानी
अब न संकट सहन होता सर से गुज़रा पानी
दाती सर से गुजरा पानी भगतों सर से...
हर धन्धे में पड़ा है घाटा दबा हूँ कर्जे नीचे
लेने वाले हुन्डियाँ लेके घूम रहे हैं पीछे
मईया घूम रहे हैं पीछे भगतों घूम...
मोड़ लिया मुंह हर अपने ने दुश्मन हो गए साये
परख लिए हैं बुरे वक्त में अपने और पराए
अपने और पराए भगतों अपने और पराए
कभी तरा था नरसी जैसे अब भी चिन्ता हर दे
मेरा बेड़ा भवसागर से, पार भवानी कर दे-2
बड़ी लीला सुनी तेरे भवनों की...3..4

जग जननी पहाड़ों वाली माँ

मईया हमें न बिसारियो,
चाहे लाख भक्त मिल जाहीं
हम सम तुम को बहुत माँ।
तुम सम हमको नाहीं॥
भक्तों की लाज रखो माँ भवानी
मेरे घर आजा तेरी मेहरबानी-2
जग जननी पहाड़ा वाली माँ
कभी भक्तों के घर आ जाओ-2
अपने ही दिए हुए अन्न जल का
कभी खुद ही भोग लगा जाओ
जग जननी पहाड़ों वाली माँ-2-2
इस घर में हमारा कुछ भी नहीं
जो कुछ भी है माँ सब कुछ तेरा है।
चाहे दुःख है यहाँ चाहे सुख की घड़ी
चाहे रोशनी चाहे अन्धेरा है
हम चाकर बन कर सेवा करें-2
बन मालिक हुसन जगा जाओ
जग जननी पहाड़ों वाली माँ...
अपने हीं दिए हुए अन्न जल का...
यहाँ कुछ है सुदामा के चावल
यहाँ विदुर का माँ कुछ साग भी है
कुछ श्रद्धा का सागर उमड़ा हुआ
कुछ भक्ति लगन अनुराग भी है

कुछ तुम भी अपने चरणों का-2
हमें अमृत पान करा जाओ
जग जननी पहाड़ों वाली-2
घर अपना बना लो इस घर में
हम मिल जुल कर माँ रह लेंगे
तेरी ममता की छांव में अम्बे
कुछ सुन लेंगे कुछ कह लेंगे
माँ बच्चों के पावन रिश्ते की-2
कुछ झलक हमें दिखला जाओ
जग जननी पहाड़ों वाली-2
भक्तों की लाज रखो माँ भवानी
मेरे घर आजा तेरी मेहरबानी-4

रुत झोलियां भरण दी आई

हो रुत झोलियां भरण दी आई-2
कि मईया ने भण्डार खोलया-2

सुन भगता

उहदे दर ते थोड़ कोई न-2
कि मंगने दी लोड़ कोई न-2

सुन भगता

होई ए दयाल मेरी माँ कि करद [illegible]बनूं नैहाल मेरी माँ-2
जय हो-जय हो-जय हो
तेरा भौण है जग तो निराला-2
निराली तेरी शान अम्बिके-2

सुन अम्बिएं

हो करो दूर हनेरे मन दे-2
कि जगदियां जोतां वालिए-2
सुन अमिएं होई ए दयाल मेरी माँ,
कि करदे सबनू नैहाल मेरी माँ
होईए दयाल मेरी माँ ते
सबदा ख्याल मेरी माँ-
हो जित्थे पूरियां होन मुरादां-2
कि ओ दर मंईया दा-2
हो रहे बसदा ए लाल द्वारा-2
कि जित्थे माँ लाल बंडदी-2

सुन भगता

होई ए दयाल मेरी माँ कि करदे सबनूं नैहाल मेरी माँ
होईए दयाल मेरी माँ
ते वदी ए सबदा ख्याल मेरी माँ
ओ पुच्छदिए सबना दा हाल मेरी माँ
जय हो-जय हो-जय हो
हो नईयों छड़णीं गुलामी तेरी-2
तू रख चाहे मार दातीए-2

सुन अमिएं

हो मेरे वरगे करोड़ा दाती-2
तेरे जेआ होर कोईन
नी तेरे जेआ...
सुन अमिएं, होईए दयाल मेरी माँ...
तेरे दर ते यात्रू आए-2

ओ मुखों जय जयकार बोलदे-2

सुन अमिएं

तेरा चचंल तरले पावे-2
तूं चरणां च लाले दातीए-2

सुन अमिएं

होईए दयाल मेरी माँ...5-6

नी मैं बण्ड़दी पतासे

नी मैं बण्डदी पतासे मैंनु देवो नी बधाई-2
नी मैं मईया दे दवारे उत्तों लाल लेके आई
नी मैं बण्डदी पतासे-2

मेरी माँ दे दवारे उत्ते लगे रहदें मेले
लगे रहदें मेले भग्तों लगे रहदें मेले
दाती मेले विच्च कंजकां दे नाल-2 खेले
नाल-2 खेले दाती नाल-2 खेले
खेड़-खेड़ विच पाईया खेड़ ए रचाई
नी मैं बण्डदी पतासे मैंनू देवो नी बधाई-2
कोई दूध-पूत मंगे कोई मंगदा खजाने
मंगदा खजाने कोई...
होई सबते दयाल दाती दिलां दीयां जाणे
दिलां दियां जाणे दाती...
मेरी आसां वाली बेड़ी माँ ने कण्डे उत्ते लाई
नी मैं बण्डदी पतासे मैंनू देवो नी बधाई-2
दाती करमा दे लेख विच मेख मार देते

मेख मार देवे दाती...
करे मेहर मेहरां वाली सारे पापी तार देवे
पापी तार देवे दाती...
हो मेरे जेहे गुनाहगारां दी वी झोली खैर पाई
नी मैं बण्डदी पतासे मैंनू देवो नी बधाई-2
आई जागे वाली रात मैं वी जागां सारी रात
जागां सारी रात मैं वी....
बैठी खोल के भण्डारे देवे खुशियां दी दात
देवे खुशियां दी दात-2
बण्डे सबनूं मुरादां होवे सबदी सहाई
बण्डदी पतासे मैंनू देवो नी बधाई-2
नी मैं मईयादे दवारे उत्तों लाल लैके आई
नी मैं बण्डदी पतासे मैंनू देवो नी बधाई-2
जय माता दी

हम बैठ के उड़न खटोले में

हम बैठ के उड़न खटोले में माता के मन्दिर जायेंगे
कर जोड़के दोनों सिर को झुका हर भवन पे माथा टेकेंगे
हम बैठ के उड़न खटोले में.
शेरांवाली माँ जय-जय-जय-जय
मईया के दर जाना फिर कैसा घबराना-2 हम जायेंगे
पहले कलकत्ता महाकाली के दर्शन करने को,
ये सोए भाग जगाने को, ये खाली झोलियाँ भरने को
फिर जम्मू से कटड़े के पर्वत माता वैष्णो जी के दर जाना

जहाँ चण्डी गुफा में माँ से मिल,
भवनिधि पे डेरा कर ज़ाना-2
फिर चण्ड मुण्ड हरन चामुण्डा का,
अति सुन्दर तीर्थ देखेंगे
कर जोड़के दोनों सिर को झुका, हर भवन पे माथा टेकेंगे
हम बैठ के उड़न खटोले में...
शेराँवाली माँ तेरी जय...जोतां वाली माँ तेरी जय-2
मईया के दर जाना फिर कैसा घबराना-2
हम जायेंगे पहले कलकत्ता, महाकाली के दर्शन करने को
ये सोए भाग जगाने को, ये खाली झोलियां भरने को
ये खाली झोली भरने को, फिर जम्मू से कटड़े के पर्वत
माता वैष्णों जी के दर जाना, माता वैष्णों जी के दर जाना
जहाँ चण्डी गुफा में माँ से मिल,
भवनिधि से डेरा कर जाना
फिर चण्ड मुण्ड हरनी चामुण्डा का अति सुन्दर तीर्थ देखेंगे
कर जोड़के दोनों सिर को झुका हर भवन में माथा टेकेंगे
हम बैठ के उड़ने खटोले में......
शेराँवाली माँ तेरी जय-जय-जय-जय, जोतां वाली जय...
मईया के दर जाना फिर कैसा घबराना-2
हम पहुँचेंगे पहले हिमाचल में, नैना देवी के दर्शन पाने को
दो श्रद्धा के सुमन चढ़ा करके हर बिगड़ी बात बनाने को
फिर काँगड़े वाली अम्बे की हम पूजा करेंगे मिल करके-2
और भक्त-ध्यांनू जी की तरह लौटेंगे, ये दामन को भरके
वहाँ रुक के ज्वाला मईया के उस पावन धाम को देखेंगे

हम बैठ के उड़न खटोले में माता के मन्दिर देखेंगे-
शेराँवाली माँ तेरी जय-2 जोतां वाली माँ तेरी जय...
मईया के दर जाना फिर कैसा घबराना-2
छिन्नमस्तिका चिंता हरनी के दरबार पे भी हम जायेंगे-2
यहाँ आशायें पूर्ण हों सबकी पर खुशियों को हम भी पायेंगे
फिर हरिद्वार से ऊपर जा, दर देखेंगे माता मनसा का-2
यहाँ झुककर काँटा फूल बने,
वहाँ अजब ही खेल विधाता का-2
आसाम में फिर महामाया के दरबार का नजारा देखेंगे.......
हम बैठ के उड़न खटोले में.
शेराँवाली माँ तेरी जय-3, जोतां वाली माँ तेरी जय...
मईया के दर जाना फिर कैसा घबराना,
हो मईया के दर जाना...

शेराँवाली के कम्प्यूटर का...

कौन करे विश्वास भक्ति, कौन पाठ करे मतलब का
कैसी किसकी भावना जग में, इस माँ को पता है सबका-3
सच्चे का है बोलबाला झूठे का है मुंह काला
शेराँवाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं
मेहराँ वाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं-2
धरती हो या आसमान में कौन है कैसा इस जहान में-2
पहले होता यहां किसी का हिसाब नहीं,
सच्चे का है बोलबाला झूठे का मुंह काला-2
शेराँ वाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं-2

मेहरां वाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं है
पहले होता यहाँ किसी का हिसाब नहीं-3
शेराँ वाली के कम्प्यूटर का-3
पाप क्या है पुण्य क्या है मईया सब जानती
खरे-खोटे, बुरे-भले को अम्बे पहचानती-3
जितना भी भागना है भाग लो जिधर को
रुकोगे कहाँ महादेवी की नजर है
पाप क्या है पुण्य क्या है मइया सब जानती है
खरे-खोटे, बुरे-भले को अम्बे पहचानती है,
जितना भी भागना है भाग लो जिधर को
रुकोगे कहाँ महादेवी की नजर से, काम आयेगा
छलावे का नकाब नहीं
सच्चे का है बोलबाला झूठे का मुंह काला-2
शेराँ वाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं मेहराँ वाली...
धरती हो या आसमान में कौन है कैसा इस जहान में-2
पहले होता यहां किसी का हिसाब नहीं...
सच्चे का है बोलबाला झूठे का मुंह काला-2
शेराँ वाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं मेहराँ वाली...
धरती हो या आसमान में कौन है कैसा इस जहान में-2
पास जा के कहिए या दूर से पुकारिए
जानती है भावनाओं जैसे भी उच्चारिए-3
झूठे के सब दाग यहाँ साफ होंगे
सच बोल दोगे तो गुनाह माफ होंगे-2
पास जाके कहिए या दूर से...

होता झूठों का यहाँ पर बचाव नहीं
सच्चे का है बोलबाला झूठे का मुंह काला-2
: शैराँ वाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं-3
धरती हो या आसमान में कौन है कैसा इस जहान में-2
पहले होता यहाँ किसी का हिसाब नहीं-3
शेराँ वाली के कम्प्यूटर का जवाब नहीं
"जये माता जी की"

हसदा मुस्कांदा जा, तूं नाम ध्यांदा जा

हसदा मुस्कांदा जा तूं नाम ध्यांदा जा
हसदा मुस्कांदा जा तूं नाम ध्यांदा जा
मिल जाएगा दर उसका जैकारे लांदा जा
मिल जाएगा दर उसका जैकारे लांदा जा
पर्वत दी चोटी ते, इक गुफा निराली ए
उस गुफा दे विच बैठी, माँ शेराँ वालिए-2
तैनूं चरनी लगायेगी तूं आप मनांदा जा-2
हसदा मुस्कांदा जा तूं नाम ध्यांदा जा...
दरबार दे विच जा के, तूं दुखड़े सुना देवीं
अपना सिर दाती दे चरनां च झुका देवीं
ओह पार लंघाएगी, जा तू भेंटा गांदा जा-2
हसदा मुस्कांदा जा तूं नाम ध्यांदा जा...
वरदानी कल्याणी, माँ तैनूं तारेगी
बिगड़ी तकदीर तेरी ओ आप संवारेगी
चंचल जै माता दी हर इक नूं बुलांदा जा...

हसदा मुस्कांदा जा तूं नाम ध्यांदा जा...

पत्ते पत्ते च है मईया जी दा डेरा

पत्ते-पत्ते च है मैया जी दा डेरा
नी फुल्ला नूं ना छेड़ मालने
ओ...हर कली च है दाती दा बसेरा
नी फुल्ला नूं ना छेड़ मालने
मोतीये च माई देवा, गेंदे विच शारदा
कालियां च काली बसे, गुट्टे विच कालका-२
है गुलाब विच-गौरजां दा डेरा
नी फुल्ला नूं...
चम्बे च चामुण्डा फुल्ला विच फूलारानी ए
अनार विच अंबे, जिनूं कहंदे कल्यानी ए-२
मैंनूँ गुन्द दे-२ नी श्रद्धा वाला सेहरा
नी फुल्ला नूँ ना छेड़...
ओ...गंगा ओदे चरणा विच करम दी वगदी
जोत है नूरानी, विच जलथल जगदी-२
दूर कीता जिने जग दा हनेरा
नी फुल्लां नूं ना छेड़ मालने
हर कली च...

पत्ते-पत्ते विच शेरांवाली वसदी फुल्लां नूं ना तोड़ मालने

पत्ते-पत्ते विच शेरांवाली वसदी
फुल्लाँ नूँ ना तोड़ मालने

डाली-२ विच शेरांवाली वसदी-के फुल्लां नूँ...
कलियां च वसदी ऐ काली महारानी जी
कटड़े च वसदी ऐ वैष्णो रानी जीं
जरें-२ विच शेरांवाली वसदी-पत्ते-२...
क़िते चिन्तपूरनी ते किते मां ज्वाला ए
किते नैना देवी ते अब प्रतिपाला ए
तेरे चरणां विच बाण गंगा वगदी
कि फुल्लां नूँ ना तोड़ मालने-पत्ते-२
बाण गंगा दा तेरा ठण्डा पानी
जय जय माता आदि भवानी
कली-२ विच, हो डाली-२ विच शेरांवाली वसदी
फुल्लां नूँ ना तोड़ मालने-पत्ते...
आदिकुमारी माँ दी देखी लीला न्यारी ए
गर्भ जून लंघी जाँदे सब वारी वारीं ए
तेरे चरणाँ विच बाल गंगा वगदी
फुल्लां तू ना तोड़ मालने-पत्ते-२
हाथी मत्थे दी मां दी औखी चढ़ाई ए
शक्ति दे नाल चढ़ी शेरांवाली माई ए
तेरे चरणाँ विच बाण गंगा वगदी
फुल्लां नू ना तोड़ मालने-पत्ते-२
भैरों दी घाटी असां छप-२ लंघना
शक्ति दा दान माता तेरे कोलों मंगना
तेरे चरणा बिच बाण गंगा वगदी
फुल्लां नूं न तोड़ मालने पत्ते-२

भजन

तर्ज-साजन मेरा उस पार है, फिल्म-गंगा यमुना सरस्वती

जग से निराला माँ का द्वार है,
मिलता सभी को यहां प्यार है।
जग से निराला...
चरणों में माँ के जो भी आएगा,
मांगी मुरादें मां से पाएगा। २
रहता यह खुला मां का द्वार है,
मिलता सभी को यहां प्यार है।
जग से निराला...
भक्तों की मैया यह न्यारी हैं,
सारी दुनिया की हितकारी है। २
देती यह मां सबको प्यार है
मिलता सभी को यहां प्यार है
जग से निराला...
महिमा जो दिल से मां की गायेगा,
नाम दुनिया में पा जाएगा। २
देती मां जीवन शिंगार है,
मिलता सभी को यहां प्यार है।
जग से निराला...
सुनती मां बच्चों की पुकार है
शक्ति इस मात की अपार है
निराली इसके दर की बहार है
मिलता सभी को यहां प्यार है।

जग से निराला...

तारे मां सबको हो निहाल मां,
देख ले आके मेरा हाल मां। २
'नेक' को तेरा इन्तजार है,
मिलता सभी को यहां प्यार है
जग से निराला...

भजन

तर्ज-दुश्मन ना करे दोस्त ने वो काम किया है... फिल्म-आखिर क्यों
जीवन में जिसने भी माँ का नाम लिया है
उसको जीवन भर का सुख मैया ने दिया है।
जीवन में जिसने...
बनके सवाली जो भी आता मां के द्वार पे। २
और मन में मां की श्रद्धा का पैगाम लिया है,
उसको मां ने सर पे अपना प्यार दिया है।
जीवन में जिसने...
जिसने भी मां के प्यार की कीमत है। जान ली। २
तन मन जो अपना जिसने मां के नाम किया है,
उसको ही मां ने जग में सुन्दर नाम दिया है।
जीवन में जिसने...
सुनती वो सबके दिल की जो भी है पुकारता। २
जिसने भी माँ के प्यार का जाम पिया है,
उसको ही माँ ने खुशियों का संसार दिया है।
जीवन में जिसने...
तारा है सबको तूने मुझको भी तार दे। २

आज तक न तेरा नेक ने दीदार किया है
मांगा है तुम से प्यार न तूने प्यार दिया है
जीवन में जिसने भी मां का नाम लिया है
उसको जीवन भर...

भजन

फिल्म-साजन

तर्ज-बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम...
हम पर भी कर दो इतना करम,
चाहे मां जाए जाँ निभाएँगे हम। ६
हम पर भी कर दो...
इतना सितम न हम पे करो मां,
हम गम के मारों पे रहमत करो मां।
बुलाते रहेंगे-मां-मां जब तक है दम...
हम पर भी कर दो...
खुद तू सुखी, हम क्यों दुःखी हैं,
फिर भी यह हम से क्यों बेरुखी है
आए न आए तू-२, बुलाएँगे हम...
हम पर भी कर दो...
कई मुद्दतों से न तूने बुलाया,
मुश्किलों मुसीबतों में जीवन बिताया।
मिट जाए जीवन मां-२, फिर भी न गम-
हम पर भी कर दो...
दुनिया सताए, मां तू भी रुलाए,
हालत यह देख तुझे तरस न आए।

रोएगी तू भी जब, लुट जायेंगे हम...
हम पर भी करो...

भजन

तर्ज-यह पगला है... फिल्म-मैंने प्यार किया

जग है दीवाना तुम बिन माँ यह माने ना,
यह प्यासा है, दर्शन को तरसे मां। जग है...
दुनियाँ मांगे मन की मुरादें,
मैं मांगू मां दर्शन। ओ-हो-हो
आ जाओ इक पल के लिए
मां अखिया मेरी तरसन। ओ-हो
इसके सिवा न और मैं चाहूं तुझ से मां।
यह प्यासा है...
हर पल हर छिन तुझे पुकारे,
सुनले तू महामाया। ओ-हो
बड़ी निराली शक्ति तेरी,
तूने खेल रचाया। ओ-हो
तेरी इस शक्ति का तेरी मां
कोई भी जाने ना।
यह प्यासा है...
दुनिया को हम छोड़ के मां
शरण तुम्हारी आए ओ-हो-ओ
अपना बनाकर पास बिठालो,
दुनिया मुझे सताए ओ-हो-ओ

इसके सिवा न और मैं चाहूं तुमसे मां।
४. दिन राती मैं गाऊं महिमा
तेरी जोत जगाके। ओ-हो-ओ
तेरी लग्न में मग्न मैं मा
होश हवास भुलाके। ओ-हो-ओ
इसके सिवा न और मैं चाहूं तुमसे मां
यह प्यासा है...

माता तेरा शेर देखया

शेर वेखया गुफा दे आगे गजदा, माता तेरा शेर वेखया
शेर तेरे दी की है निशानी-२
मत्थे उत्ते तिलक, गले विच गानी
देखया गुफा दे कोलों लंघदा माता तेरा शेर वेखया...
पहाड़ तेरे दी की ए निशानी-२
तिन ओदे किंगरे ते आद भवानी
रस्ते विच 'गर्भ' जून लंघदा माता तेरा शेर वेखया...
गुफा तेरी दी की ए निशानी-२
छोटी-छोटी बर्फ ते गिट्टे गिट्टे पानी
चरणां विच नीर पया वगद ात तेरा शेर वेखया...
माता तेरी दी की ए निशा ' २
केसर तिल ते कपड़े बदामी
मत्थे उत्ते मुकुट है सजदा, माता ा शेर वेखया...

माँ ने कुण्डा ला लिया

मैं आया दरबार ते भगतो
मां ने कुण्डा ला लिया
रानूं बचड़ा रो-रो पुकारे
खोल कुण्डा तूं बक्श द्वारे
डाडा हुआ लाचार, रे भक्तो
मां ने कुण्डा लालिआ...
मावां हुन्दियां ठण्डियां छावां
तेरा दर छोड़ मैं किस दर जावां
मिल के करो पुकार
मिलके करो जयकारा रे भगतो
मां ने कुण्डा खोलिआ...
मैं आया दरबार ते भगतो
मां ने कुण्डा खोलिआ-२
गायिका-कुमारी पवन रेखा

आवाँगे हर साल

आवांगे आवांगे हर साल-माई तेरे आवांगे
नारियल भेटां छत्र लिआईये।
आरती दे वेले जोत जगाईये।
झण्डा चढ़ाईये लाल माई तेरे आवांगे ॥ १ ॥
मावां हुन्दीयां ठंडियां छावां।
पुत्र भूले नहीं भुलदियां मावां।
साडा करीं खयाल माई तेरे आवांगे ॥ २ ॥

होर कोई नहीं थोड़े है नाती।
इको चीज दी लोड़ है दाती।
जे तू बख्शे बाल माई तेरे आवांगे॥ ३॥
बाल बच्चे विच सुख बरसावीं।
तृष्णा भूख प्यास मिटावीं।
टब्बर लिआईये नाल माई तेरे आवांगे॥ ४॥
सुख शान्ति बुद्ध दई मां।
बच्चियाँ नूं तू दूध दई मां।
पूरे करीं सवाल माई तेरे आवांगे॥ ५॥
बच्चे साडे पांस करा दे।
धर्म-कर्म शुभ कर्म सिखा दे।
मिटे चुरासी जाल माई तेरे आवांगे॥ ६॥
धर्म अर्थ विच माया लाईये।
कन्या पूजन यज्ञ रचाईये।
खुला दयो धन माल माई तेरे आवांगे॥ ७॥

पीले शेर की सवारी

पीले शेर उते करके सवारी
देखो माता रानी आई जे
माता रानी आई जे-२ पीले

बोलो रज के जैकारा इक वारी
ओ वेखो माता रानी आई जे
माता रानी आई जे-पीले

लाल सुआ चोला दाती गल विच पाया ए

सीस उते हीरयां दा मुकुट सजाया ए
लाल चुन्नी उत्ते लगी किनारी वेखो...
हत्थां उते मेंहदी दाती लाल-२ लाई ए
लाल चूड़ा लाल-२ माला गल पाई ए
मत्थे टिक्का सोहे शोभा न्यारी वेखो...
ब्रह्मा ते विष्णु वी यश तेरा गांवदे
शेर सवारी आके दर्शन पांवदे
आसन ला के बैठे भोले भंडारी वेखो...
पीले उत्ते शेर करके सवारी...

इक लाल दे दे दातिए

इक लाल दे दे दातिए नी मैं जग वरगी बन-जावां
सूनी मेरी गोद न रहे कदे गोदी विच बाल खिडावां
जगदीए माए सुन मेरी अरजोई नी
औतरी न आंखें मैनूं दुनिया ते कोई नी
नी ठण्ड वरतान वालिए
मावां हुंदीयां ने ठण्डीयां छावां-एक लाल...
कासदे ओ माये घर जिन्हा दे न बाल ए
फुलां तो वगैर कदे सजदी न डाल ए
गमां विच रात लंघदी-
दिन रोंदियां, ढले, पैन छावां-इक लाल...
कदे मेरे लाल नूं मैं बैठके खिडावां नी
चुम-चुम इसनूं कलेजे नाल लावां नी
मां जदों कहना उसने-

लखचार सदकड़े जावां इक लाल...
मां दे भण्डारे विच हीरे मोती लाल ने
मिलदे ओहनू चंगे जिन्हाँ दे अमाल ने
'भगवानदास' तेरे दर तों-
मन मंगियां मुरादाँ पावां-इक लाल...

-भगवान दास शर्मा 'खामोश'
केसरीसिंह पुर

माँ के अंग चोला साजे

फिल्म-आलिंगन

मां के अंग चोला साजे
हरेक रंग चोला साजे
मात की महिमा देखो जोत दिन-रैना जागे
हे मां-हे मां शेरां वालिए, लाटां वालिए
तू ओढ़े लाल चुनरिया, गहनों से करे श्रृंगार।
शेरों पर करे सवारी, तू शक्ति का अवतार॥
तेरे तेज भरे दो नैना, जलती ज्योति के समान।
तेरे द्वारे शीश झुकायें, क्या निर्बल क्या बलवान॥
तेरे नाम का है माता जगत में डंका बाजे।
मां के अंग चोला साजे...

ऊँचा है मन्दिर तेरा ऊँचा तेरा स्थान।
संसार में न कोई होगा दूजा मां तेरे समान॥
जो आये श्रद्धा लेके वो ले जाए वरदान।

हे माता तू भक्तों के सुख-दुख का रखे ध्यान॥
तेरे चरणों में आके, भाग न कैसे जागे

गायक -महेन्द्र कपूर

कव्वाली

इशारा तेरी रहमत का अगर इक बार हो जाए
तो फिर इस उजड़े 'गुलशन' में गुलो-गुलजार हो जाए
हो...सुबह पीता हूं, शाम पीता हूं
होके चूर मस्ती में मां, तेरे नाम का जाम पीता हूं
इशारा तेरी रहमत का...
हो मूर्ख बन्दे मन्दिर विच जोत जगा तें की होया
जे मन्दिर विच घण्टे खड़काए तें की होया
ओ मूर्ख बन्दे जे मन अपना साफ न कीता
ते लम्बे तिलक लगाये तें की होया
इशारा तेरी रहमत का...
हो इधर मंदिर उधर गुरुद्वारा
इधर मस्जिद उधर गिरजा
इधर गिर जा उधर गिरजा
जिधर चाहे तू उधर गिरजा
इशारा तेरी रहमत का...
(गायक व लेखक-गुलशन कुमार)

तेरियां जोतां तों मैं वारी जां

माएं मेरी सुए-सुए चोलियां वालिए, राज मां
तेरे गल पुष्पां वाले हार हा लाटां वालिए

मैया जी गल पुष्पां वाले हार
तेरियां जोतां तों मैं वारे-२ जां
गुन्न ल्याई मालन सेवड़ाँ, ओ भोली माँ
मनावाँ तेरा आदि गणेश आदि गणेश मनावाँ
ओ तेरियाँ जोताँ तों मैं वारे-वारे जाँ...
सखियाँ ने पीघ्रां ला लइयाँ ने, ओ भोली मां
वे खोलो-२ राजदरबार... राज दरबार खोलो
माँ राज दरबार-मैयाजी खोलो-२ राज दरबार
तेरियाँ जोताँ तों मैं वारे-२ जाँ...
"उच्चे सिंहासन बैठके, तू सबका मुजरा लेय
जैसी जिसकी भावना माँ वैसा ही फल देय"
"उच्चे सिंहासन, बैठिए, ओ भोली माँ
तेरा जन बैठा परदेश परदेश बैठा जन तेरा
मैया जी खोलो-२ राज दरबार
मैया जी गल पुष्पां वाले हार
तेरियाँ जोताँ तों मैं वारे-२ जाँ.........

गायक व लेखक-"गुलशन"

माता दी चिट्ठी

चिट्ठी माता दे मन्दिर तों आई
खोल के पढ़ालै भगताँ
तैनूं याद करे महामाई
दर्शन पालै...भगताँ...

भक्तू दे गुजते रुत दर्शनाँ दी आई ए

छेती-२ आजा भगताँ देर क्यों लगाई ए
तेरे मन दियाँ आस पुजावाँ
भेंट चढ़ालै भगताँ चिट्ठी....
जम्मू जिला डाकखाना कटरे विचकार ए
भगताँ दा सेवक कैंहदा मैंनूँ इन्तजार ए
पहाड़ाँ विच पड़के
टिकट कटालै भगताँ... चिट्ठी...
कई दर बूटे तेरे पुत्तराँ दे लाए ने
कई दर देखे तेरे महल बनाए ने
तैनूँ याद करे महामाई
दर्शन पालैं भगताँ...चिट्ठी...

मां जोतां वालीए

फिल्म-भक्ति में शक्ति

मां जोतां वालिए लाटां वालिए
मां तेरे दरबार झुके सारा संसार
बीच भंवर में घिर गई नैया,
तुम बिन मेरा कौन खिबैया
धुंआ उठा है लहरों में तू करदे बेड़ा पार मां
तुम चाहो तो टूटे जोड़ों मुर्दे में जां वापस मोड़ो
अपने नाम की मां अपने नाम की लाज बचाओ
भगत न जाए हार मां सुनले हे जगदम्बे हे महामाया
सर के बल मैं चलकर आया
आज न तेरे मां आया न तेरे मां,

दरश हुए तो दूँगा शीश उतार
तेरे दरशन बिन मर जाऊंगा दरशन दे दे मां
मैं अपने लहू पर मर जाऊंगा दरशन दे दे मां

अम्बे मैया तेरी जय जयकार

फिल्म–जौहर महमूद इन हाँगकांग

ए भई जब भीर पड़ी भगतन पर तूने सुनी पुकार
ए भई जिसकी रक्षा तू करे उसे क्या मारे संसार
आयो आयो नवरात्री का त्यौहार हो अम्बे मैया
तेरी जय जयकार

ये कर दे कर दे भगतों का बेड़ा पार...हो अम्बे मैया
तेरी जय जयकार

हम तो बालक तेरे माता और तू जीवन दाता है
कोई उसको छू नहीं पाता तेरी शरन जो आता है
ये आई सिंह पे सवार...तेरी शक्ति अपार
तुझे अम्बे जगदम्बे जग सारा जाने रे
आज अपना दिखा दे चमत्कार
हो अम्बे मैया तेरी जय जयकार
विपदा में है देश हमारा तू ही बचाने वाली है
आंचल में ये दिन छुपाले आंधी आने वाली है
ये बैरी पीछे पड़े–हमें घेरे खड़े
तुझे अम्बे जगदम्बे जग सारा जाने रे
देशद्रोही का करदे बंटाधार
हो अम्बे मैया तेरी जय जयकार

चारों खाने चित्त है दुश्मन उसने हमको मान लिया
नाचो गाओ मौज मनाओं मैया ने कल्याण किया
ये अपनी मैया ने आज...रखी भक्तों की लाज
तुझे अम्बे जगदम्बे जग सारा जाने रे
नहीं भूलेंगे तेरा उपकार ओ अम्बे तेरी जय जयकार

माता तेरे द्वारे

जे मैं हुंदा भगत तेरा मां-
भेंटा गांदा आंदा दातिए तेरे द्वारे।
जे मैं हुंदा शेर जंगल दा-
गजदा-गजदा आंदा दातीए तेरे द्वारे,
जे मैं हुंदा मेंहदी दा बूटा-
तेरे हथ दी शोभा वधांदा दातीए।
जे मैं हुंदा चांदी का घुंघरूं-
तेरी पायल विच तै जांदा दातीए।
जे मैं हुंदा फुल्लां दा बूटा-
तेरे भगत तोड़ लै आंदे माँ तेरे द्वारे।
जे मैं हुंदा मोर जंगल दा-
पैलां रोज पांदा दाती तेरे द्वारे।
जे मैं हूंदा भगत तेरा मां-
भेंटा गांदा आंदा दातीए तेरे द्वारे।

(सोमप्रकाश से प्राप्त)

मन्दिर सोहणा उचेरा

माँ ऊँचया पहड़ां ते सोना मन्दिर उचेरा,
झंड़ा झूलदा ए तेरा,
मजे लुटदा बहाराँ दे, मां-!

तेरी चाल असूदी आई मां आई
भक्ताँ ने खुशी मनाई,
बैठें सी ध्यान लगाके,
तेरे नाम दी जोत जगाई
जोत तेरी जग रही ए मां मारे लिश्कारे,
मन भक्तां दे तारे,
द्वारे नौबत बज रहा-ए, माँ-!

विच जम्मू शहर दे आए,
मुखो जय जयकार बुलाए,
रघुनाथ मन्दिर विच जाके
रघुनाथ दे दर्शन पाए
के अजब नजारा ए मां;

भक्तां—हजाराँ—खड़े,
बनके कतारां, तेरा मिलया द्वारा ए, मां!

संग विच कटरे दे आए,
मुखो जय जयकार बुलाए,
रल बैठे सारे संगीं,
सबना ने साज सजाए,
सुन्दर छव छाई होए ए मां,

तेरी लगन विच मन है मगन
सुध बुध बिसराई होई ए मां-!

बारा बरसी

बारां-बरसी खटण गिया सी, खटके लिआया केले,
दाती दे मन्दरां ते, लगदे अस्सू विच मेले-२।

बारां बरसी खटण गिया सी, खटके लिआया पावे,
खाली ना ओ मोड़दी ए, जेहड़ा सच्ची लगन नाल जावें-२...

बारां बरसी खटण गिया सी, खटके लिआया ज्वार
नैनां विच है ज्वाला, चरणां विच गंग दा धार-२

बारां बरसी खटण गिया सी, खटके लिआया खोखा,
विच पहाड़ां दे, मेरी दाती दा भवन अनोखा-२

बाराँ बरसी खटण गिया सी, खटके लिआया पहिया
कदे वी नाँ रुसदी ऐ, अपने पुत्तराँ तों मईया-२।

बारां बरसी खटण गिया सी, खटके लिआया भात,
'रमेश' बड़ा दुखिया है, दुख दूर कर अम्बे मात-२

पार करो मेरा बेड़ा...

(गायिका : आशा भौंसले)

पार करो मेरा बेड़ा भवानी, पार करो मेरा बेड़ा
छाया घोर अंधेरा भवानी, पार करो मेरा बेड़ा...
गहरी नदिया नाव पुरानी

दया करो मां आदि भवानी, हो ऽऽदया करो माँ...
सबको आसरा तेरा भवानी, सबको आसरा तेरा
पार करो मेरा बेड़ा...

मैं निर्गुणियां गुण नहीं कोई-
मैया जगादो किस्मत सोई, हो ऽऽऽ मैया जगादो...
देख ना औगुण मेरा भवानी, देख ना औगुण मेरा
पार करो मेरा बेड़ा...

जगजननी तेरी जोत जगाई-
इक दीदार दी आस लगाई, होऽऽजगजननी तेरी...
हृदय करो बसेरा भवानी, हृदय करो बसेरा-
पार करो मेरा बेड़ा...

भक्तों को माँ ऐसा वर दो-
प्यार की एक नजर माँ करदो, होऽऽऽभक्तों को...
लूटे पाप लुटेरा भवानी, लूटे पाप लुटेरा-
पार करो मेरा बेड़ा...
छाया घोर अँधेरा...

डिस्को-तर्ज पर

(आशा भौंसले एवं साथी)

जयऽमाता कीऽऽऽ
जो न बोले-महामाई का चोर
जै-जै-जै-जै, जय-जय माता की
जै-जै-जै-जै, जय-जय माता की
जय माता की करते आओ, [illegible] पर्वत चढ़ते जाओ

माता के दरबार पहुंच के, जल्दी-२ दर्शन पाओ
जै होऽऽजय बोलो, मुंह खोलो-
'जय माता की' जो न बोले
महामाई का चोर-चोर-चोर-चोर
ओ बोलो जय माता की
बोलो जय माता की...जै-जै...
माँ का नाम लेते रहो सांझ-सवेरे
कट जाएंगे पल में दुख के अंधेरे
भर देती मैया उसका भण्डारा
सच्चे दिल से जिसने माता को पुकारा
जय बोलो, मुंह खोलो-
'जय माता की' जो न बोले
महामाई का चोर-चोर-चोर-चोर
ओ बोलो जय माता की
बोलो जय माता की...जै-जै...
बैठी है गुफा में मैया पिण्डी रूप धार के
और हम खड़े हैं दोनों हाथों को पसार के
छोटी-२ कंजकों के रूप को निहारते
आ गए हैं मैया तेरे नाम को पुकारते
जय बोलो, मुंह खोलो-
जो माता की जय ना बोले
महामाई का चोर-चोर-चोर-चोर
ओ बोलो जय माता की
बोलो जय माता की...जै-जै...

सुन ले ओ मइया अब तो अरज हमारी
दरश दिखादे करके शेर पे सवारी
मन की उमंग में तरंग तेरे नाम की
लागी है लगन मइया ऐसी तेरे धाम की
जय बोलो, मुंह खोलो-
जो माता की जय ना बोले
महामाई का चोर-चोर-चोर-चोर
सब जन बोलो-जै माता की
धरती बोले-जै माता की
अम्बर बोले-जै माता की
सागर बोले-जै माता की
हर कोई बोले-जै माता की

चलो भगतो चलो

(आशा भोंसले एवं साथी)

लो भगतों चलो माँ के द्वारे-
ऊंचे पर्वत भवन मैया का, वहाँ के अजब नजारे...
जै-जै लाटाँ वाली माँ, जै-जै शेराँ वाली मां
पहला दर्शन बाण-गंगा है, चरण पादुका दूज
कठिन चढ़ाई कट जाएगी, छोड़ ध्यान तूँ दूजा
राह दिखाते हैं भक्तों को गंगा के ये धारे-
चलो भगतों...
आदिकुमारी मन्दिर में है गर्भजून इक न्यारी
अंग-संग तेरे वैष्णों माता, तू हिम्मत क्यों हारी

देख चढ़ाई तू क्यों डोले, बोल मां के जैकारे
चलो भगतों...

हाथी-मत्था कठिन है मंजिल, भक्तों ना घबराना
जय माता की बोल-२ के आगे कदम बढ़ाना
पर्वत का हर पत्थर करता, तुझको यही इशारे
चलो भगतों...

द्वार मैया के कोयल बोले, भवन रंगीला आया
सुन्दर-गुफा में बैठी मैया, पिण्डी रूप बनाया
बड़े-बड़े अहंकारी राजा, इस दर यही पुकारे-
चलो भगतों...

ऊंचे पर्वत भवन मैया का, वहाँ के अजब नजारे...

लहू संग लिखूँ मैं तो

(गायक : महेन्द्र कपूर)

हो ऽ ऽ ऽ लहू संग लिखूँ मैं तो दिल वाला हाल माँ
कहते हैं पसंद तुझे रंग लाल-लाल माँ...
चाँदनी का लिया रंग, चांद से था उजला
चुन-चुन तारे नीले-अम्बरों से गुजरा
फूलों से था फूलारानी, ले लिया गुलाल मां
हो ऽ ऽ लहू संग...

लाखों खत भेजे तूने दिया ना जवाब मां
मेरा क्या कसूर बोलो देख के किताब मां
बिरहा की आग सीने खा रही उबाल मां
हो ऽ ऽ लहू संग...

चूड़े वाले रंग में माँ आज मुझे रंग दे
सूरज की लाली मइया मेरे अंग-संग दे
लाटों वाली लाटों में तूँ आज मुझे ढाल दे
हो ऽ ऽ लहू संग...

बोलो जय माता दी

(महेन्द्र कपूर और साथी)

चलो अम्बे के दरबार, बोलो जय माता की
कट जाएं पाप अपार, बोलो जय माता की
दाती है जगदातार, बोलो जय माता की
हो जाएं मंगलाचार, बोलो जय माता की
जय माता की...२...

सद्विधियों से करे, शुद्ध मन-आँगन
भाव-भक्ति-निष्ठा कर, अर्घ्य धरे आसन
स्वाँस-२ जपे नाम तब सब साधन
कट जाएं विषय सब आप बोलो जय माता की
चलो अम्बे....

क्यों फिरे भटकता दर-दर तूँ प्राणी
तेरी ये रसिकता है केवल नादानी
तेरे दुखों का कारण है तेरी मनमानी
जा पड़ अम्बे के द्वार बोलो जय माता की
चलो अम्बे...

मां भय-भवहरणी, है मंगल-करणी
भवानी जगजननी, भण्डारे भरनी

कण-कण में समाई वो पापों की हरनी
अपना जनम संवार बोलो जय माता की
चलो अम्बे...

कट जाएं पाप अपार जय माता की
देती है जगदातार जय माता की
हो जाएं मंगलाचार जय माता की
जय माता की, जय माता की, जय माता की

मैया रानी का सन्देश

(महेन्द्र कपूर और साथी)

आज मैयारानी जी का सन्देश है आया
खत लिखं मैयाजी ने आप है बुलाया...
करके तैयारी मैंने दर पे है जाना (२)
दिल वाला हाल जाके मैया को सुनाना
जागे मेरे भाग, मेरा सप[illegible] [illegible]नारा-
खत लिख [illegible]ज मैया...

आस होगी पूरी जो भी आस है लगाई (२)
नाम लेके मैया का चढ़ जाऊँगा चढ़ाई
झूमे मेरा प्यार हो ऽ ऽ, झूम रही मेरी काया-
खत लिख...आज मैया...

लगन लगाके माँ की आरती मैं गाऊँगा (२)
चरणों की धूल लेके माथे पे लगाऊँगा
रूप देखो माँ का कैसा, आ ऽऽ मन को है भाया
खत लिख...आज मैया...

आज मैया रानी जी का सन्देश है आया
खत लिख मैया जी ने आप है बुलाया
भवनां वालिए ऽ ऽ ए ऽ ऽ
शेरां वालिए ऽ ऽ ए ऽ ऽ
पहाड़ां वालिए ऽ ऽ ए ऽ ऽ

माँ की इनायत (कव्वाली)

(गायिका : मीनू चढ्ढा गीतकार 'फलक')

होती है मां की मुझपे इनायत कभी-कभी
ज्योति में देख लेती हूँ सूरत कभी-कभी
आऽऽऽ..भक्तों के आसपास ही दाती रहा करो-२
पड़ती है मुश्किलों में जरूरत कभी-कभी
होती है मां की...

शक्ति है तेरे नाम में भक्ति में चैन है-२
सुमिरन से टल गई है मुसीबत कभी-कभी
होती है मां की...

आता है या तू मां मेरी कश्ती संभालने-२
तूफाँ में टूट जाती है हिम्मत कभी-कभी
होती है माँ की...

आती नहीं वो ध्यान में सि[illegible] 'फलक' हजार
ऐसी भी टूटती है कयामत [illegible]भी-कभी
होती है मां की...

मुझे दुनिया से क्या मतलब

(गायिका : मीनू चड्ढा, गीतकार 'निर्बल')

दुनिया से क्या मतलब, मैं क्या देखूं जमाने को?
तरसती है नजर दाती, तेरा दीदार पाने को...
मेरी जगदम्बे मैया जै हो
न डोले जीवन नैया जै हो
मुझे दे दो सहारा जै हो
मेरे दिल ने पुकारा जै हो
मेरी मां शेरों वाली जै हो
दुखों को हरने वाली जै हो
तेरा दर छोड़ूं कैसे जै हो
ये नाता तोड़ूं कैसे जै हो
ऐसा बख्शो सवेरा जै हो
हो जाए दूर अँधेरा जै हो
मैंने तो छोड़ा जमाना जै हो
तू मुझको ना ठुकराना जै हो
कोई शै हक से पराई तो नहीं माँगी है
दरस माँगा है, खुदाई तो नहीं माँगी है
लिया है आसरा तेरा ऐ दाती मुस्कराने को
तरसती है नजर...

तेरे दरबार मैया जै हो
भरे भण्डार मैया जै हो

आसरा जिसने लिया जै हो
उसी को पार किया जै हो
मेरा भी दामन भरदो जै हो
मेहर अम्बे जी करदो जै हो
मुद्दत से आस है ये, मेरी अरदास है ये-२
काटो माँ संकट मेरे जै हो
मैं आई दरबार तेरे जै हो
विधि ना पूजा जानूं जै हो
ध्यान न दूजा जानूं जै हो
न पूजन में सुकूं पाया न माला के फिराने में
सुकूं पाया है जो 'निर्बल' ने माँ तेरे आसताने में
तेरे चरणों में आ पहुँची, माँ दुखड़े सुनाने को
तरसती है नजर...

तेरी रहमत ने मुझसे बेबसों को जिन्दगी दी है
दिलों को चैन बख्शा है, नजर को ताजगी दी है
मेरे दिल पे जो गुजरी है मैया मैं कह नहीं सकती
मगर जब सामने हो माँ तो चुप भी रह नहीं सकती
दया से अपनी खुशहाल तूं मेरी जिन्दगी करदे
मेरे मन में अंधेरा है तू मैया रोशनी करदे
बड़ी मुश्किल से ढूंढा है-मां तेरे आसताने को
तरसती है नजर...
मुझे दुनिया से...

सच्चा है दरबार शेरां वाली का

(गायिका : जसपिन्दर नरूला, गीतकार : करतारचंद 'निर्बल')

सच्चा है दरबार शेरां वाली का
तू बन जा सेवादार शेरां वाली का
सच्चा है दरबार...

माँ बख्श रही भण्डारे, है बैठ गुफा के अन्दर
न महिमा बरनी जाए, ऐसा है सुन्दर मन्दर
ऐसा है सुन्दर मन्दर मेहराँ वाली का
तू बन जा सेवादार शेरां वाली का
सच्चा है दरबार ...

ये जगदम्बे महारानी, बख्शे कई अवगुण हारे
माँ रूप निराला धारे, और पापी दुष्ट संहारे
पापी दुष्ट संहारे रूप धर काली का
तू बन जा सेवादार शेरां वाली का
सच्चा है दरबार...

दुखियों के दुःख ये हरती, जो आके सिर को झुकाए
निश्चय जिनके है मन में, दीदार वही तो पाए
दीदार वही तो पाए भवनाँ वाली का
तू बन जा सेवादार शेराँ वाली का
सच्चा है दरबार...

इस महामाया की माया, कोई भी समझ न पाया
कोई माने या न माने, 'निर्बल' ने भेद बताया
'निर्बल' ने भेद बताया कथा निराली का
तू बन जा सेवादार शेराँ वाली का
सच्चा है दरबार...

मैया के द्वारे का पुजारी बन जा

(जसपिन्दर नरूला द्वारा गाई भेंट)

जो भी मन से बन गया
माता तेरा दास
उसको माँ ऽ ने कर दिया
भवसागर से पार
आजा मैया के द्वारे का पुजारी बन जा
झोलियाँ फैला के तूं भिखारी बन जा
तेरी सुनके पुकार मां जरूर आएगी-२
होगा दिल में उजाला, लेके नूर आएगी-३
दिल भगती में रंग के लिलारी बन जा
झोलियां फैला के...आजा मैया के.....

माँ की ममता का जिसको सरूर हो गया-२
वो ही ध्यानू की तरह है मशहूर हो गया-३
तूं भी लंगरवीर जैसा ब्रह्मचारी बन जा
झोलियां फैला के...आजा मैया के...

मां की भगती से दिल को करार मिलता-२
किस्मत से है मैया जी का प्यार मिलता-३
हित अपना जो चाहे, हितकारी बन जा
झोलियां फैला के...आजा मैया के...

इस दर से है सबको मुराद मिलती-२
बे औलादों को यहाँ से है औलाद मिलती-३
पहले दान का तू भी तो अधिकारी बन जा
झोलियाँ फैला के...आजा मैया के...

मात मेरी झूला झूले

(जसपिन्दर नरूला द्वारा गाई भेंट)

मात मेरी झूला झूले
हो ऽऽ मात मेरी झूला झूले, हाँ मात मेरी...
झूले सखियन साथ, मात मेरी...
झूम-झूम के सावन आया, आई संग बरसातें-२
मीठे-२ स्वर में करती, पवन मिलन की बातें-२
लहराती है डाली-२,लहरों में है पात। मात मेरी...
रूप देख मैया का भक्तों, थकती नहीं नजरिया-२
फरफर करती हवा में देखो, मां की लाल चुनरिया-२
कैसा समय सुहाना आया, खुशियों की सौगात
मात मेरी...
फूलों में फूलों की रानी, मन ही मन मुस्काए-२
बांट रही खुशियों की किरणें, भक्तों के मन भाए-२
सब भक्तों के सर पर होता, है मैया का हाथ
मात मेरी...
गरज रहे हैं मेघा ऐसे, जैसे मां का तेज-२
पंछी भी चोंचों पर मॉं का नाम रहे हैं टेर-२
मां का ये नूरानी मुखड़ा, दुखियों की प्रभात
मात मेरी...
झूले सखियन साथ
मात मेरी झूला झूलेऽऽए
...मात मेरी...

बेटा जो बुलाए माँ को आना चाहिए

(गीतकार व गायक : नरेन्द्र चंचल)

हो मैया जी के चरणों में ठिकाना चाहिए
बेटा जो बुलाए, मां को आना चाहिए
सुन लो ए माँ के प्यारों तुम प्रेम से पुकारो
आएगी शेरां वाली जगदम्बे मेहराँवाली
वो देर न करेगी झोली सदा भरेगी
पूरी करेगी आशा मिट जाएगी निराशा
बिगड़े करम संवारे भव से वो सबको तारे
श्रद्धा और प्रेम से ध्याना चाहिए
बेटा जो बुलाए माँ को...

बिनती सुनो हमारी ऐ मैया आदिकुंवारी
तेरे दर के हैं सवाली जाना नहीं है खाली
बैठे हैं डेरा डाले तेरे भक्त भोले-भाले
तेरे नाम के प्याले आए हैं जाम डाले
मैया दीदार दे दो बच्चों को प्यार दे दो
ओ हीरे मोतियों का ना खजाना चाहिए
बेटा जो बुलाए माँ को...

अकबर ने आजमाया ध्यानू ने था बुलाया
हे राजरानी आओ अम्बे भवानी आओ
जाए न लाज मेरी सुनलो आवाज मेरी
दरबार देखता है संसार देखता है
घोड़े का सर कटा है मेरा भी सर झुका है

ओ गरूर अभिमानी का मिटाना चाहिए

बेटा जो बुलाए मां को...

त्रिलोक चन्द राजा था भक्त वो भी मां का जै हो
चौपड़ थी वहाँ बिछाई संग खेले महामाई जै हो
देखी जो बूंद पानी कहने लगा भवानी जै हो
पानी कहाँ से आया कैसी रचाई माया जै हो
कैसा ये माजरा है मेरा तो दिल डरा है जै हो
मां इसका राज खोलो अब कुछ तो मुंह से बोलो जै हो
कहने लगी भवानी ए मूढ़ अज्ञानी जै हो
मुझको ना आजमाओ पानी को भूल जाओ जै हो
जिद ना करो ओ राजा कुछ तो डरो ए राजा जै हो
बोला वो अभिमानी मैंने भी मन में ठानी जै हो
ये राज जान लूँगा हर बात मान लूंगा जै हो
तब मैया बोली राजा न भूल जाना वादा जै हो
जब सब तुम्हें कहूँगी फिर पास न रहूँगी जै हो
सागर में डोले नैया मेरा भक्त बोले मैया जै हो
हर दम तुझे ध्याऊँ फिर भी मैं डूबा जाऊँ जै हो
कश्ती बचाओ माता रस्ता दिखाओ माता जै हो
मैं उसकी भी तो मां थी यहाँ भी थी वहाँ भी जै हो
'चंचल' सुना कहानी गायब हुई भवानी जै हो
पछता रहा था राजा चिल्ला रहा था राजा जै हो
ओ शक्ति को ना कभी आजमाना चाहिए

बेटा जो बुलाए माँ को...

वशीकरण मंत्र शास्त्र

इस पुस्तक की सहायता से आप चाहे जिस स्त्री-पुरुष को अपने वशीभूत कर मनचाहा काम ले सकते हैं। आकर्षक सुरमा बनाने की क्रिया, सरकारी कार्यों में विजय पाना, लड़ाई में शत्रुओं को नीचा दिखाना, अपने इष्ट-मित्र को यन्त्र-मन्त्र पर दूर देश से बुलाना, मुर्दों से बातचीत करना आदि बातों का वर्णन है।

मूल्य 50 रुपये डाक खर्च सहित।

प्राचीन यंत्र-तंत्र-मंत्र व टोटके

आप सभी ओर से निराश हैं, भाग्य साथ नहीं देता, मनोकामना पूरी नहीं होती तो इस महान पुस्तक को एक बार अवश्य मंगायें। इसमें अनेक सिद्ध किये मंत्र जैसे उच्च अधिकारियों का अपना बनाना, मनचाही वस्तु प्राप्त करना, किसी के मन की बात जानना, परीक्षा में प्रथम श्रेणी लाना, कर्ज एवं रोग से छुटकारा पाना, व्यापार में उन्नति, मुकद्दमें में जीत, लाटरी व रेस में तथा सट्टे के नम्बर में सफलता, स्त्री पुरुषों का वशीकरण, घर से भागे हुए को वापस बुलाना तथा चोर का व चोरी गये माल का पता लगाना एवं अनेक टोटके दिए गये हैं। इसके प्रयोग का असर शीघ्र होता है।

मूल्य 50 रुपये डाक खर्च सहित

वी. पी. पी. द्वारा पुस्तक मंगाने का पता

यमुना पुस्तक भण्डार

योगी गली, आर्य समाज रोड, मथुरा - 281001

ओ गरूर अभिमानी का मिटाना चाहिए

बेटा जो बुलाए मां को...

त्रिलोक चन्द राजा था भक्त वो भी मां का जै हो
चौपड़ थी वहाँ बिछाई संग खेले महामाई जै हो
देखी जो बूंद पानी कहने लगा भवानी जै हो
पानी कहाँ से आया कैसी रचाई माया जै हो
कैसा ये माजरा है मेरा तो दिल डरा है जै हो
मां इसका राज खोलो अब कुछ तो मुंह से बोलो जै हो
कहने लगी भवानी ए मूढ़ अज्ञानी जै हो
मुझको ना आज़माओ पानी को भूल जाओ जै हो
ज़िद ना करो ओ राजा कुछ तो डरो ए राजा जै हो
बोला वो अभिमानी मैंने भी मन में ठानी जै हो
ये राज जान लूँगा हर बात मान लूंगा जै हो
तब मैया बोली राजा न भूल जाना वादा जै हो
जब सब तुम्हें कहूँगी फिर पास न रहूँगी जै हो
सागर में डोले नैया मेरा भक्त बोले मैया जै हो
हर दम तुझे ध्याऊँ फिर भी मैं डूबा ज़ाऊँ जै हो
कश्ती बचाओ माता रस्ता दिखाओ माता जै हो
मैं उसकी भी तो मां थी यहाँ भी थी वहाँ भी जै हो
'चंचल' सुना कहानी गायब हुई भवानी जै हो
पछता रहा था राजा चिल्ला रहा था राजा जै हो
ओ शक्ति को ना कभी आजमाना चाहिए

बेटा जो बुलाए माँ को...